रात जागरण दी आई है

भाग जागे ने मेरे मियां घर मेरे आई है,
संता महंता भगता रोनका भी लाइ है,
सोहने रंगे शेर उते शेरावाली आई है,
सारे तड़िया भजाओ रात जागरण दी आई है,
खुशिया मनाओ रात जागरण दी आई है,

किता आवाहन पहला संता महंता ने,
लाल लाल टिके लाये सरियाँ ही संगता ने,
ज्योत नूरानी देखो ज्वाला जी तो आई है,
सारे मैनु रल मिल दिंदे पाए वधाई है ,
सारे तड़िया भजाओ रात जागरण दी आई है,
खुशिया मनाओ रात जागरण दी आई है,

चंदन दी चौंकी उते आसान लगाया है,
चांदी वाले गढ़वे विच गंगा जल पाया है,
लाल लाल घोटे वाली चुनी मैं चढ़ाई है,
चुनरी न ओड के मेरी दाती मुस्काई है,
सारे तड़िया भजाओ रात जागरण दी आई है,
खुशिया मनाओ रात जागरण दी आई है,

कण्व अरुण लाल तेरा भेटा सुनंदा है,
चल दी है रोजी रोटी तेरा दिता खानदा है,
धन्ने ने एह गल लोको सब नु सुनाई है

खुशिया दी रात मेरी मैया ने विखाई है,
सारे तड़िया भजाओ रात जागरण दी आई है,
खुशिया मनाओ रात जागरण दी आई है,

Source: https://www.bharattemples.com/khushiya-mnaavo-raat-jagran-di-aai-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw